909

A

SAMAGRA SHIKSHA - KERALA

FIRST TERM-END EVALUATION - 2019-20

Time : 90 minutes

Third Language

HINDI

Score : 40

STD. IX

निर्देश :

- पहला पंद्रह मिनट कूल ऑफ़ टाईम है। इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें।
- वैकल्पिक प्रश्नों में से किसी एक का ही उत्तर लिखें।

सूचना : 'पक्षी और दीमक' कहानी का यह अंश पढ़ें और 1 से 4 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

नौजवान पक्षी को लगा– यह बहुत बड़ी सुविधा है कि एक आदमी दीमकों को बोरों में भरकर बेच रहा है। वह अपनी ऊँचाइयाँ छोड़कर मँड़राता हुआ नीचे उतरता है, और पेड़ की डाल पर बैठ जाता है। दोनों का सौदा तय हो जाता है।

1. नौजवान पक्षी और किसके बीच का सौदा तय हो जाता है? 1

2. यहाँ नौजवान पक्षी के स्वभाव की किस विशेषता की ओर संकेत है? 1

(क) कठिन परिश्रम करना। (ख) आलस्य से काम करना।

(ग) धोखेबाजी में न पड़ना। (घ) अपनी पहचान बनाए रखना।

3. कोष्ठक से उचित शब्द या वाक्यांश सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें। 2

(बोरों में भरकर; बूढ़ा)

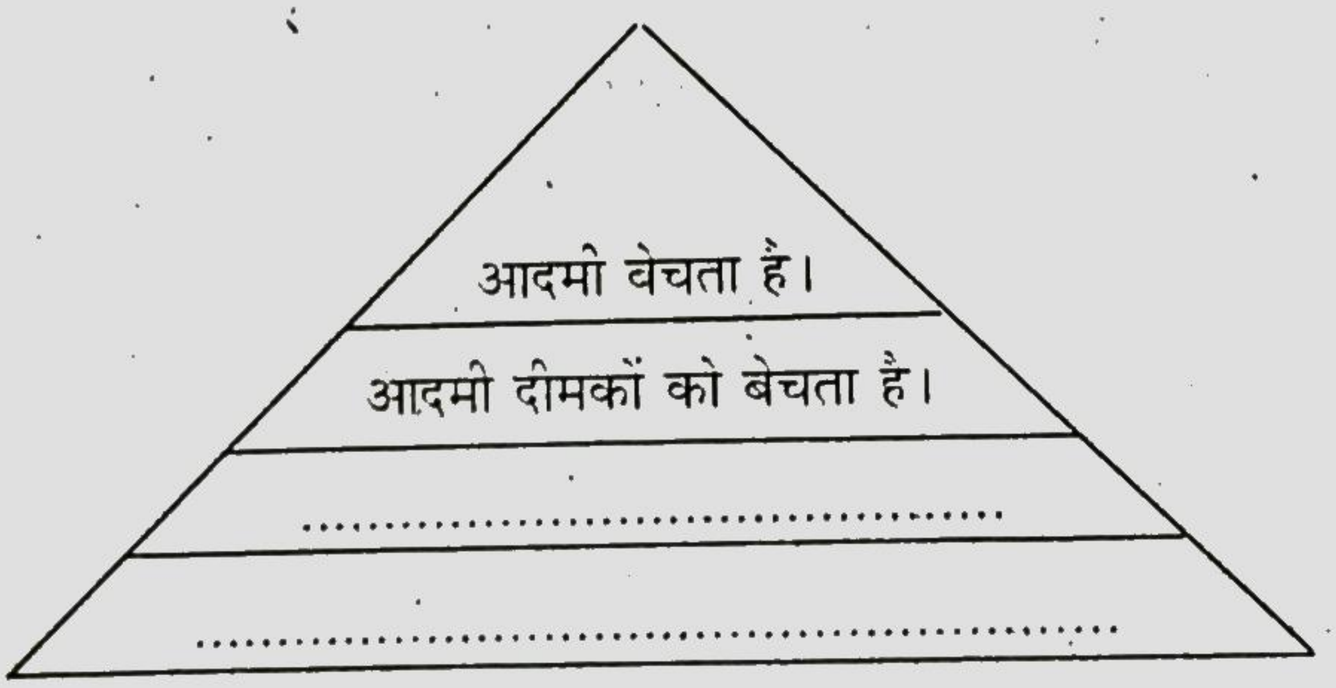

4. संकेतों की सहायता से नौजवान पक्षी और गाड़ीवाले के बीच की संभावित बातचीत लिखें। 4

- बैलगाड़ी को देखना।
- एक पंख देकर दो दीमकें लेना।
- नौजवान पक्षी का दीमकों का शौक।
- दीमकें सिर्फ ज़मीन पर मिलती हैं।

सूचना : 'टीवी' पटकथा का यह अंश पढ़कर 5 से 8 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

लल्लू : सबके छत पे लगा है!
चुन्नी : टीवीवाला डंडा! अब क्या करेंगे?
गोपू : (हिम्मत हारते हुए) पता नहीं। मनोहर चाचा ने बताया था उनके घर ही टीवी है... पर यहाँ तो सबके घर है।
लल्लू : (बेहद हताश) अब हम वापस चलें? (आसमान देखते हुए) नहीं? अंधेरा हो रहा है।
चुन्नी : हम खो गए।

5. नमूने के आधार पर वाक्य की पूर्ति करें। 1

गोपू ज़ोर से रोने **लगता है।**
चुन्नी ज़ोर से रोने .....

6. 'हम खो गए' का मतलब क्या है? 1

(क) हम आगे बढ़ गए। (ख) हम चले गए।
(ग) हम संकट में पड़ गए। (घ) हम जीत गए।

7. मनोहर चाचा के घर पहचानने में गोपू को क्यों परेशानी हुई? 2

8. टी.वी देखने के लिए गोपू और लल्लू के साथ चुन्नी मनोहर चाचा के घर जाती है। यात्रा का अनुभव चुन्नी कभी भूल नहीं सकती। सारी बातें कहकर वह अपने मित्र के नाम पत्र लिखती है। चुन्नी का संभावित **पत्र** लिखें। 4

अथवा

'टीवी' पटकथा के आधार पर सही **चार** प्रस्ताव चुनकर लिखें।

बच्चे माँ की अनुमति लेकर दूसरे गाँव चले जाते हैं। ×
बच्चे चुपचाप टीवी देखने चले जाते हैं।
बच्चे बड़ी मेहनत से पहाड़ की पगडंडी चढ़ते हैं।
अंधेरा हो जाने से बच्चे डरते हैं।
मनोहर चाचा बच्चों को घर ले जाते हैं।
बच्चे बड़ी देर तक मनोहर चाचा के यहाँ टीवी देखते रहते हैं।

सूचना : 'पक्षी और दीमक' कहानी का यह अंश पढ़ें और 9 से 12 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पक्षी रोज़ तीसरे पहर नीचे उतरता और गाड़ीवाले को एक पंख देकर, दो दीमकें खरीद लेता। एक दिन उसके पिता ने देख लिया। उसने समझाने की कोशिश की कि बेटा, दीमकें हमारा स्वाभाविक आहार नहीं हैं, और उनके लिए अपने पंख हरगिज़ नहीं दिए जा सकते। लेकिन उस नौजवान पक्षी ने बड़े ही गर्व से अपना मुँह दूसरी ओर कर दिया। उसे ज़मीन पर उतर कर दीमकें खाने की चट लग गई थी।

9. पक्षी रोज़ तीसरे पहर क्यों नीचे उतरता है? 1

(क) पिता को देखने के लिए। (ख) कीड़ों को खाने के लिए।

(ग) पंख देकर दीमकें खरीदने के लिए। (घ) ज़मीन पर दीमकें खोजने के लिए।

10. सही विकल्प चुनकर लिखें। 1

(क) वह + के = उसको (ख) वह + का = उसका

(ग) वह + को = उसको (घ) वे + को = उसको

11. नौजवान पक्षी अपना स्वाभाविक आहार छोड़कर, पंख के बदले दीमकें खरीदकर खाता है। इस पर आपका विचार क्या है? 2

12. उपरोक्त घटना के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य लिखें। 4

अथवा

हमारे खान-पान की संस्कृति में आए बदलाव से इस कहानी का क्या संबंध है? अपने विचारों को ज़ोड़कर **टिप्पणी** लिखें।

- खेती करने की विमुखता।
- विज्ञापन के चंगुल में पड़ना।
- बनावटी चीज़ों के पीछे भागना।
- स्वास्थ्य बिगड़ जाना।

सूचना : 'टीवी' पटकथा का यह अंश पढ़कर 13 से 16 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

चुन्नी : (रुआँसी होकर) कब से कह रहे हो आनेवाला है।

गोपू : (पीछे मुड़कर) अरे ये लल्लू कहाँ रह गया। और तू रो मत अब... टीवी देखना है ना? उसमें पता है- लोग बक्से के अंदर बंद होते हैं... छोटे-छोटे दिखते हैं... तेरे मकोड़ों की तरह.. (लल्लू दिखता है) ए लल्लू... जल्दी आ ना!

13. 'तू रो मत अब...' गोपू किससे ऐसा कहता है? 1

14. 'तू' के बदले '**तुम**' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें। 1

तू जल्दी आ। तुम जल्दी .....।

15. चुन्नी के रुआँसी होने के क्या-क्या कारण थे? 2

16. साथियों से दूर रहने पर लल्लू बहुत डर गया। बाद में मिलने पर खुश हो गया। उस दिन के अनुभवों को लल्लू अपनी डायरी में लिखता है। लल्लू की संभावित **डायरी** लिखें। 4

सूचना : 'पुल बनी थी माँ' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और प्रश्न 17 से 20 तक के उत्तर लिखें।

हाथों हाथ रहती माँ
एक दिन हमारे कंधों में आ गई
धीरे-धीरे महसूस करने लगे हम
अपने वृषभ कंधों में
माँ का भारी होना

17. माँ किसके वृषभ कंधों में भारी होती है? 1

18. '**वृषभ कंधा**' –में विशेषण शब्द कौन-सा है? 1

19. यहाँ माँ अपने बेटों के लिए '**पुल**' कैसे बनी थीं? 2

20. आशय समझें, सही मिलान करें। 4

हाथों हाथ रहना	सशक्त कंधे
कंधों में आना	सँभालना
वृषभ कंधे	बोझ बनना
भारी होना	दायित्व ऊपर आना